History

← चन्द्रगुप्त मौर्य →

शासनकाल - ३२२ से २९८ BC तक Reign = 322 to 298 BC

पत्नी - दुर्धरा Wife = Durdhara

अन्य नाम - भारत का मुक्तिदाता, एन्ड्रोकोटस, सैण्ड्रोकोटस

Other names → Liberator of India, Androcottes, Sandrocottes

Sandrocottes → जस्टिन ने कहा / Justin said

Androcottes → एपियन व प्लूटार्क ने कहा / Appian and Plutarch said.

⇒ 305 BC में सेल्युकस निकेटर से युद्ध हुआ।
There was a war with Seleucus Nicator in 305 BC.

• इस युद्ध को हारने के बाद निकेटर ने अपनी बेटी कार्नेलिया (हैलेना) की शादी चन्द्रगुप्त मौर्य से कर दी।
After losing this war, Nicator married his daughter Karnelia (Halena) to Chandragupta Maurya.

⇒ और दहेज में निकेटर ने 4 प्रांत (काबुल, कांधार, मकरान, हेरात) दिये। (And Nicator gave 4 Provinces in dowry.

⇒ साथ ही निकेटर ने अपना एक दूत मैगास्थनीज को चन्द्रगुप्त मौर्य के दरबार में भेजा।

मैगास्थनीज ↓ की पुस्तक - इण्डिका / Book of - 'Indika'
↓
पाटलिपुत्र का प्रशासन / Administration of Pataliputra.

⇒ चन्द्रगुप्त मौर्य ने सेल्युकस को 500 हाथी उपहार (gift) में दियें।

⇒ मैगास्थनीज ने पाटलिपुत्र को पालिब्रोथा कहा है।
Magasthenes has called Pataliputra as Palibothra.

जूनागढ़ अभिलेख
Junagarh inscription

→ रूद्रदामन ने जारी कराया
issued by Rudradaman

→ इसी से सुदर्शनझील सौराष्ट्र (गुजरात) का वर्णन मिलता है
From this we get the description of Sudharshan Jheel (Saurashtra) Gujrat

→ इसका निर्माण चन्द्रगुप्त मौर्य के राज्यपाल पुष्यगुप्त ने कराया था।
It was built by Pushyagupta, the governor of Chandragupta Maurya.

→ संस्कृत मे जारी पहला अभिलेख है।
This is the first inscription issued in 'Sanskrit'

→ चन्द्रगुप्त मौर्य 'जैन धर्म' का अनुयायी था।
Chandragupta Maurya was a follower of Jainism.

→ इसने जैन धर्म की दीक्षा - भद्रबाहु (जैन गुरू) से ली।
He took the initiation of Jainism - from Bhadrabahu.

→ इसके बाद ये सारा साम्राज्य बिंदुसार के हाथों में सौंपकर श्रवणबेलगोला (कर्नाटक) चले गये।
After this, by handing over this entire empire to Bindusara went to Srivnabelagola (Karnataka)

⇒ वहां चन्द्रगिरी की पहाड़ियों पर संलेखना व्रत द्वारा अपने प्राण दे दिये। (बिना कुछ खाये पिये प्राण त्यागना)

There, on the hills of Chandragiri, he gave his life by Sanlekan vow.

⇒ २९८ BC - मृत्यु (Death)

बिंदुसार (298 BC - 273 BC) तक

अन्य नाम - अमित्रघात, वारिसार, भद्रसार, सिंहसेन, अमित्रोकोटीज
Other names - Amitraghat, Warisar, Bhadrasar, Singhsen, Amtro - Kottji

↳ इसके दरबार में - In its court

1. फिलाडेल्फस - टालमी - II (मिस्त्र) ने भेजा
Philadelphus - Ptolemy - II (Egypt) sent by
2. डॉयमेकस - एण्टियोकस (सीरिया) ने भेजा
Doymekas - Antiochus (Syria) sent by

→ इसके समय में तक्षशिला में अशान्ति थी। जिसका दमन करने के लिए इसने अपने पुत्र 'सुशीम' को भेजा।
During this time there was unrest in Taxilla. To suppress whom he sent his son Sushim.

→ बिन्दुसार के दो पुत्र थे - सुशीम अशोक
Bindusara had two sons - Sushim Ashoka

→ इसके समय में भी प्रधानमंत्री चाणक्य ही थें।
In its time also the Prime minister was Chankya.